

अनुक्रम

प्रधानसम्पादकीयम्	I
स्वस्तिवाक्	III
पुरोवाक्	V
अभिनवगुप्त की जीवनयात्रा	1
अभिनवगुप्त का काश्मीर	4
अभिनवगुप्त के पुरखे	11
अवधूत जीवन	15
समय	22
घर-परिवार	23
गुरुपरम्परा	26
शिष्यमंडली	32
कर्तृत्व	37
स्वभाव और साधना	39
एक शिष्य की दृष्टि में अभिनवगुप्त	43
काश्मीर शैवदर्शन की परम्परा को अभिनवगुप्त का अवदान	49
शैवदर्शन के व्याख्याकार अभिनवगुप्त	50
विश्वदृष्टि	54
स्वातन्त्र्य	58
मन्त्र और साधनापद्धति	63

उपाय	65
अभिनवगुप्त के दर्शन की प्रासंगिकता	66
अभिनवगुप्त की व्याख्यापद्धति	73
शिवदृष्टि और कविसृष्टि	89
अभिनवगुप्तपूर्व काव्यशास्त्र की परम्परा-	99
मातृगुप्त	100
भामह	101
दण्डी	102
उद्भट	103
प्रतीहारेन्दुराज (इन्दुराज)	104
वामन	104
आनन्दवर्धन	117
कुन्तक	140
भट्टतोत	149
धनञ्जय तथा उसके टीकाकार	151
अभिनवगुप्तसम्मत काव्यरचनाप्रक्रिया	153
रसास्वादविमर्श और अभिनवगुप्तसम्मत काव्यबोध	169
लोल्लट	170
शंकुक	171
भट्टनायक	173
रसविषयक विमर्श में अभिनवगुप्त का योगदान	174
अभिनवगुप्त की सौन्दर्य की अवधारणा	185

शान्तरसविचार	193
सहृदय का स्वरूप	197
अभिनवगुप्त और भारतीय रंगमंच	201
नाट्यप्रयोग में कैशिकीवृत्ति	203
उपकरण	208
रंगशाला	211
अभिनवगुप्त की कविता	229
अभिनवगुप्त तथा लल्लघद (लल्लेश्वरी)	261
लल्लेश्वरी और काश्मीर शैव दर्शन	271
अभिनवगुप्त और जयशंकर 'प्रसाद'	279
परिशिष्ट -१	297
अभिनवगुप्त के स्तोत्रकाव्य- हिन्दी अनुवाद	297
१. अनुत्तराष्टिका	297
२. परमार्थचर्चा	301
३. महोपदेशविंशतिका	303
४. भैरवस्तव	307
५. अनुभवनिवेदन	309
परिशिष्ट-२	311
मधुराजयोगीकृत अभिनवगुप्तध्यानश्लोक	311
परिशिष्ट-३	315
मधुराजयोगीविरचित	315
सन्दर्भग्रन्थसूची	343